Vol 4 Issue 7 April 2015

ISSN No : 2249-894X

Monthly Multidisciplinary Research Journal

Review Of Research Journal

Chief Editors

Ashok Yakkaldevi
A R Burla College, India

Flávio de São Pedro Filho
Federal University of Rondonia, Brazil

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies, Sri Lanka

Welcome to Review Of Research

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2249-894X**

Review Of Research Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial Board readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

Advisory Board

Flávio de São Pedro Filho
Federal University of Rondonia, Brazil

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies, Sri Lanka

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Fabricio Moraes de AlmeidaFederal
University of Rondonia, Brazil

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Xiaohua Yang
University of San Francisco, San Francisco

Karina Xavier
Massachusetts Institute of Technology (MIT), USA

May Hongmei Gao
Kennesaw State University, USA

Marc Fetscherin
Rollins College, USA

Liu Chen
Beijing Foreign Studies University, China

Mabel Miao
Center for China and Globalization, China

Ruth Wolf
University Walla, Israel

Jie Hao
University of Sydney, Australia

Pei-Shan Kao Andrea
University of Essex, United Kingdom

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Ilie Pintea
Spiru Haret University, Romania

Mahdi Moharrampour
Islamic Azad University buinzahra Branch, Qazvin, Iran

Titus Pop
PhD, Partium Christian University, Oradea,
Romania

J. K. VIJAYAKUMAR
King Abdullah University of Science & Technology,Saudi Arabia.

George - Calin SERITAN
Postdoctoral Researcher
Faculty of Philosophy and Socio-Political Sciences
Al. I. Cuza University, Iasi

REZA KAFIPOUR
Shiraz University of Medical Sciences
Shiraz, Iran

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

Nimita Khanna
Director, Isara Institute of Management, New Delhi

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University, Kolhapur

P. Malyadri
Government Degree College, Tandur, A.P.

S. D. Sindkhedkar
PSGVP Mandal's Arts, Science and Commerce College, Shahada [M.S.]

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

C. D. Balaji
Panimalar Engineering College, Chennai

Bhavana vivek patole
PhD, Elphinstone college mumbai-32

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary, Play India Play (Trust),Meerut (U.P.)

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

Jayashree Patil-Dake
MBA Department of Badruka College Commerce and Arts Post Graduate Centre (BCCAPGC),Kachiguda, Hyderabad

Maj. Dr. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

AR. SARAVANAKUMARALAGAPPA UNIVERSITY, KARAIKUDI,TN

V.MAHALAKSHMI
Dean, Panimalar Engineering College

S.KANNAN
Ph.D , Annamalai University

Kanwar Dinesh Singh
Dept.English, Government Postgraduate College , solan

More.....

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.ror.isrj.org

Review Of Research ISSN : 2249-894X Impact Factor : 3.1402(UIF)
Volume-4 | Issue-7 | April-2015 Available online at www.ror.isrj.org

उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में पर्यावरणीय जागरूकता– एक अध्ययन

Nisha Shrivastava
HOD, (Education Department) , Ghanshyam Singh Arya Kanya, Mahavidyalaya, Durg(C.G.)

Short Profile

Nisha Shrivastava is a H.O.D. at Department of Education in Ghanshyam Singh Arya KanyaMahavidyalaya Arya Nagar in a Durg (Chhattisgarh). He has completed M.A. (Hindi, Sanskrit.), M.Ed., Ph.D.(Education, Sanskrit).

Co-Author Details :

Manju sahu
Assistant Professor (Education Dept.) Apollo college, Anjora Durg (C.G.)

सारांश

प्रस्तुत शोध अध्ययन का मुख्य उद्देश्य उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की पर्यावरण जागरूकता का प्रभाव देखना है। पर्यावरण जागरूकता मापने के लिये डॉ. प्रवीण कुमार झां द्वारा निर्मित व प्रमाणित उपकरण का उपयोग किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन हेतु दुर्ग जिले के उच्चतर माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत ग्रामीण एवं शहरी परिवेश के कुल 200 विद्यार्थियों (5 ग्रामीण शासकीय विद्यालयों से, 100 विद्यार्थियों एवं 5 शहरी शासकीय विद्यालयों से 100 विद्यार्थियों) का चयन किया गया है। चयनित विद्यार्थियों पर पर्यावरण जागरूकता के परीक्षण का प्रशासन करने उनके प्राप्तांक ज्ञात किये गये।

परिकल्पनाओं के सत्यापन हेतु द्विदिश प्रसरण विश्लेषण विधि का प्रयोग किया गया। ग्रामीण एवं शहरी शासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों के पर्यावरण जागरूकता में सार्थक अंतर पाया गया।

प्रस्तावना

पर्यावरण को संतुलित रखना आज की महती आवश्यकता है। पर्यावरण के संदर्भ में विद्यार्थियों को जानकारी देना एवं पर्यावरण की समस्या से उन्हें अवगत कराना जिससे वे भविश्य में आ सकने वाली समस्याओं को रोक सके एवं उनका हल खोज सके, इस तरह पर्यावरण जागरूकता द्वारा बालकों को यह ज्ञान कराया जा सकता है कि पर्यावरण को संतुलित एवं संरक्षित रखना हमारे लिये कितना महत्वपूर्ण है। पर्यावरण जागरूकता में पर्यावरण संबंधी घटको, तथ्यों, प्रत्ययों एवं कारणों की जानकारी दी जाती है, जिससे पर्यावरण का संरक्षण तथा सुधार हो सके। पर्यावरण संरक्षण हेतु विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाना अत्यंत आवश्यक है किसी भी कार्य की सार्थकता, वर्तमान स्थिति की जानकारी तथा वर्तमान में उत्पन्न समस्यायें से होती है।

शोध अध्ययन के अनुसार ग्रामीण क्षेत्र के शासकीय विद्यालय के विद्यार्थियो में, शहरी क्षेत्र की तुलना में पर्यावरण के प्रति जागरूकता कम पाया गया। पर्यावरण के समस्याओं के समाधान हेतु अपेक्षित कौशल तथा कार्य क्षमताओं का विकास करना ही पर्यावरण जागरूकता है।

नसीम ए.आजाद के अनुसार :–

''एक ऐसा कदम जो किसी उद्देश्य के प्रति जनता को सूचना या शिक्षा के उद्देश्य से उठाया जाये, जन जागरूकता कहलाता है।''

मैसूर के पाई.जी.एम.(1981)के शोध अध्ययन के अनुसार प्रयोगिक अध्ययन दल तथा नियंत्रित अध्ययन दल के कार्य निष्पादन में सार्थक अंतर पाया गया। जे.एस.राजपूत, ए.बी.सक्सेना तथा वी.जी.जाधव(1980) के शोध अध्ययन के अनुसार पर्यावरण निष्पति–परीक्षण पर आधारित प्रायोगिक और नियंत्रित समूहों के छात्रों में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया। वी.पी.गुप्ता, जे.एस.ग्रेवाल एवं जे.एस.राजपूत(1981)ने अपने शोध अध्ययन में विद्यालय जाने वाले ग्रामीण और शहरी बालकों की पर्यावरणीय चेतना में सार्थक अन्तर पाया गया। एन.वी.मैन्यूल(1982) ने अपने शोध अध्ययन में प्राथमिक स्तर पर पर्यावरण शिक्षा की गतिविधियॉ बहुत कम संख्या में पायी गयी।

पर्यावरण शिक्षा शोध कार्यो के अध्ययन से ज्ञात होता है कि अब तक हुये इन कार्यो में पर्यावरण के प्रति चेतना जागृत करना, पर्यावरण संप्रत्यय, प्राकृतिक कठिनाईयां एवं पर्यावरण शिक्षा का गुणात्मक अध्ययन एवं प्रकृति के प्रति हमारी सोच व कार्य आदि विषयों पर शोध कार्य किये गये है।

अध्ययन का उद्देश्य

1.ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में पर्यावरण जागरूकता का अध्ययन करना।
2.उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में छात्र एवं छात्राओं के मध्य पर्यावरणीय जागरूकता का अध्ययन करना।
3.उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की क्षेत्र एवं लिंग के आधार पर पर्यावरण जागरूकता का अध्ययन करना।

परिकल्पना

परिकल्पना H_1 ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मध्य पर्यावरण जागरूकता में सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा।

परिकल्पना H_2 उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं के पर्यावरण जागरूकता में सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा।'

परिकल्पना H_3 उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की पर्यावरण जागरूकता पर क्षेत्र एवं लिंग की अंतः क्रिया का सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा।

प्रतिदर्श

प्रस्तुत शोध में दुर्ग जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक स्तर के शासकीय विद्यालयों का चयन

किया गया है। कुल न्यायदर्श की संख्या 200 है जिसमें 5 ग्रामीण शासकीय विद्यालयों से 100 विद्यार्थियों एवं 5 शहरी शासकीय विद्यालयों से 100 विद्यार्थियों का चयन किया गया है।

उपकरण

प्रस्तुत शोधकार्य में शोधकर्ता ने पर्यावरण जागरूकता के मापन हेतु डॉ.प्रवीण कुमार झा द्वारा निर्मित व प्रमाणित उपकरण का उपयोग किया गया है।

सांख्यिकीय विश्लेषण

परिकल्पना से प्राप्त प्रदत्तों का विश्लेषण द्विदिश प्रसरण विश्लेषण विधि का प्रयोग किया गया।

परिकल्पना परिणाम व विवेचना

परिकल्पना H1 ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियो के पर्यावरणीय जागरूकता में सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा।

सारणी क्रमांक – 1

Source	Sum of square	d.f.	Mean square	F	Result
क्षेत्र	89.78	1	89.78	12.95	s
Within SS	1359.44	196	6.93	-	

df (1,196) 0.01 में सार्थक अंतर है।

सारणी क्रमांक 1 देखने से स्पष्ट होता है कि क्षेत्र के लिये का F मान 12.95 है जो Table मान df (1,196) में .01 सार्थक स्तर के लिये आवश्यक मान 6.76 से अधिक है जो .01 स्तर पर सार्थक सिद्ध हुआ। इसका तात्पर्य यह है कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों की पर्यावरणीय जागरूकता में सार्थक अंतर पाया गया।

अतः उक्त परिकल्पना असत्य प्रमाणित होती है और अस्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना H2 उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं के पर्यावरणीय जागरूकता में सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा।''

सारणी क्रमांक – 2

Source	Sum of square	d.f.	Mean square	F	Result
लिंग	5.78	1	5.78	0.83	NS
Within SS	1359.44	196	6.93	-	

df (1,196) P<.05 में सार्थक अंतर नही है।

सारणी क्रमांक 2 देखने से स्पष्ट होता है कि लिंग के लिये का F मान 0.83 है जो ज्ंइसम मान df (1,196) .05 में सार्थक स्तर के लिये आवश्यक मान 3.89 से कम है। अतः विद्यार्थियों की पर्यावरणीय जागरूकता पर लिंग का सार्थक प्रभाव नहीं पड़ेगा। इसका तात्पर्य यह है कि छात्र–छात्राओं के पर्यावरण जागरूकता में सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा। अतः उक्त परिकल्पना सत्य प्रमाणित होती है और स्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना H3 उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की पर्यावरणीय जागरूकता पर क्षेत्र एवं लिंग की अंतःक्रिया का सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा।''

सारणी क्रमांक – 3

Source	Sum of square	d.f.	Mean square	F	Result
अंतःक्रिया	0.32	1	0.32	0.04	NS
Within SS	1359.44	196	6.93	-	

df (1,196) P<.05 में सार्थक अंतर नहीं है।

सारणी क्रमांक 3 देखने से स्पष्ट होता है कि अंतःक्रिया के लिये का F मान 0.04 है जो ज्ंइसम मान d.f. (1,196) 0.05 में सार्थक स्तर के लिये आवश्यक मान 3.89 से बहुत कम है। अतः क्षेत्र एवं लिंग की अंतःक्रिया का सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा।

यहां पर यह निष्कर्ष निकलता है कि ग्रामीण एवं शहरी छात्र–छात्राओं पर क्षेत्र एवं लिंग का सम्मिलत प्रभाव नहीं पाया जायेगा। अतः उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की पर्यावरणीय जागरूकता पर क्षेत्र एवं लिंग की अंतःक्रिया का सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा। अतः उक्त परिकल्पना सत्य प्रमाणित होती है और स्वीकृत की जाती है।

सुझाव

•बालको को उचित वातावरण प्रदान करे, उन्हें उचित मार्गदर्शन प्रदान करें।
•ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों में शहरी क्षेत्र के विद्यालयों की भांति प्रयोगशाला, नई–नई शिक्षण विधियों को प्रयोग में लाया जाना चाहिये।
•ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के द्वारा लोगों को अधिक जागरूक बनाना चाहिये, जिससे साधारण विद्यार्थी भी शिक्षा ग्रहण कर सके।
•शिक्षकों को चाहिये कि वे ग्रामीण क्षेत्र के बालकों को शिक्षा की नई–नई तकनीकियों के बारे में जानकारी प्रदान करें।
•पर्यावरण प्रदूषण की समस्याओं के कारण तथा उन्हें कम करने के उपायों की जानकारी प्रदान करना।

अनुकरणीय अध्ययन

शोधकर्ता द्वारा चयन की गई समस्या के आधार पर निम्नलिखित क्षेत्रों में अध्ययन किया जा सकता है।

•महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं के पर्यावरण जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन करना।
•शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों के मध्य पर्यावरण जागरूकता का अध्ययन करना।
•तकनीकी और गैर तकनीकी पाट्यक्रम में अध्ययनरत विद्यार्थियों की पर्यावरण जागरूकता का अध्ययन करना।
•अंग्रेजी माध्यम तथा हिन्दी माध्यम के शिक्षक प्रशिक्षार्थियों की पर्यावरण के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना।
•सी.जी.बोर्ड एवं सीबी.एस.ई बोर्ड के विद्यालयों के विद्यार्थियों की पर्यावरण के प्रति जागरूकता अध्ययन करना

संदर्भ ग्रंथ सूची

1.पाण्डेय बी.बी.(1999)..''पर्यावरण शिक्षा'' डामिनेन्ट पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्री ब्यूटर्स,नई दिल्ली,पृष्ठ संख्या 264–268
2.शर्मा आर.ए.(2003).पर्यावरण शिक्षा (आर.लाल बुक डिपो,मेरठ) पृ.सं. 39, 40, 41, 45,47

3.शर्मा एच.एस.एवं प्रो.सिंह एच.पी. पर्यावरण शिक्षा (राधा प्रकाशन मंदिर आगरा) पृ.सं. 1, 2, 3, 43, 105, 106, 187, 188
4.राय पारसनाथ ''अनुसंधान परिचय''(लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा) पृ.सं.–62, 64, 285, 286
5.गुर्जर रामकुमार,डॉ. जाट बी.सी.(2004)–''पर्यावरण अध्ययन''–(पंचशील प्रकाशन, जयपुर) पु.स. 3, 4, 16, 23, 208
6.कपिल एच.के. अनुसंधान विधियां''– (एच.पी.भार्गव बुक हाउस भवन कचहरी घाट, आगरा) पृ.सं.– 1, 366, 367, 368
7.उपाध्याय राधावल्लभ– ''पर्यावरण शिक्षा'' (विनोद पुस्तक मंदिर आगरा) पृ.सं. 18, 196–199
8.शर्मा आर.ए.''शिक्षा अनुसंधान'' (आर.लाल बुक डिपो, मेरठ) पृ.सं. 29, 30, 76, 77,124, 126, 132
9.गुप्ता आर.डी, सिंह के.वी.–''पर्यावरणीय अध्ययन''(वितरक आर.लाल बुक डिपो, मेरठ) पृ.स. 1, 7, 13–20
10.गोयल एम.के. ''पर्यावरण शिक्षा''(अग्रवाल पब्लिकेशन्स, आगरा) पृ.स. 362– 366
11.शर्मा बी.एल,डॉ.माहेश्वरी वी.के. ''पर्यावरण शिक्षा और मानव मूल्यों के लिये शिक्षा'' (सूर्या पब्लिकेशन, मेरठ) पृ.सं. 3, 18

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal
For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished Research Paper,Summary of Research Project,Theses,Books and Books Review for publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- ✶ Directory Of Research Journal Indexing
- ✶ International Scientific Journal Consortium Scientific
- ✶ OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- DOAJ
- EBSCO
- Crossref DOI
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database

Review Of Research Journal
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.ror.isrj.org